Modal Answers of Class Test (Ist) of CDDM
Professional Management & Enterpreneurship. (301)
of III yr CDDM of
Govt women Polytechnic College, Bharatpur, Raj.

Q. 1. संगठन क्या होता है? समझाइये

Q. 2 प्रबंध की विशेषताओं को संक्षेप में समझाइये

Q. 3. संयुक्त पूंजी कंपनी क्या है? टिप्पणी लिखिए।

Ans 1. ... दो या दो से अधिक लोगो का समूह एक साथ मिलकर किसी business या औद्योगिक इकाई के लिए एक साथ कार्य करते है organisation कहलाते है इसके उद्देश्य है:
लोगो का एक साथ मिलकर काम करना जिससे कम्पनी के goal को प्राप्त कर सके। (2) किसी कम्पनी बड़ा, complex और complicated उसे एक व्यक्ति द्वारा प्राप्त नही किया जा सकता।
(3) साथ मे मिलकर कम्पनी के उद्देश्यो को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है एवं और अधिक बेहतर किया जा सकता है

<u>Types of organisation</u>
Sole trade: इस तरह के organisation में एक ही व्यक्ति का स्वामित्व होता है इस business में एक ही व्यक्ति की संपूर्ण जिम्मेदारी होती है सारा काम उसी पर निर्भर करता है संपूर्ण business पर उसी का control होता है इस तरह के business को Single ownership भी कहते है

Such ~~लाभ लिखना है~~! -

Ans: 2 विशेषताएं लिखिए

① Management is a process

सामान्य उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कार्यों की सुव्यवस्था की प्रक्रिया कहलाती है प्रबंध ही यह एक प्रक्रिया है जिसमें संगठन के संचालन हेतु प्रबंधक नियोजन, संगठन, समन्वय, अभिप्रेरण, नियंत्रण आदि कार्य सम्पादित करते हैं

② Dynamic social process:

प्रबंध की प्रक्रिया समय परिस्थितियों एवं वातावरण के अनुसार परिवर्तित होती रहती है यह समाज के लिए समाज के लोगों द्वारा समाज के साधनों से समाज में की जाने वाली सामाजिक प्रक्रिया है

③ Ingangible force: प्रबंध कहा है तथा यह क्या कर रहा है इसे बाहरी आँखों से नहीं देखा जा सकता। केवल इसे महसूस किया जा सकता। इस कारण प्रबंध को एक अमूर्त या अदृश्य शक्ति माना जाता है

④ It's an art and a science:

कला कार्य करने का ऐसा तरीका है जिसकी सहायता से सिद्धांतों को व्यवहार में कुशलतापूर्वक लागू कर इच्छित परिणाम प्राप्त किये जाते हैं प्रबंध का कलात्मक पहलू प्रबंधों को मानव व्यवहार जीवन दृष्टि तथा उदार दृष्टिकोण से जोड़ता है

⑤ Universal process: प्रबंध के सिद्धान्त एवं कार्य सर्वव्यापक है

अर्थात चाहे सामाजिक क्षेत्र हो या राजनैतिक या शैक्षणिक हो या आर्थिक, सांस्कृतिक हो या धार्मिक, व्यवसायिक या औद्योगिक। प्रबंध के सिद्धांत एवं इसका दर्शन सामान्यतः सब जगह समान रूप से महत्वपूर्ण है तथा लागू होते हैं

(6) Purposeful: प्रबंध और उद्देश्यों का आपस में घनिष्ट संबंध होता है बिना उद्देश्यों के प्रबंध कुछ प्राप्त कर सकता है किन्तु बिना प्रबंध के उद्देश्य कुछ भी प्राप्त नहीं कर सकते

(7) प्रबंध परिस्थितात्मक होता है
(8) प्रबंध एक समन्वयकारी शक्ति है
(9) यह स्वामित्व से अलग है
(10) प्रबंधकीय ज्ञान का स्थानान्तरण संभव, किन्तु प्रत्यारोपण संभव नहीं है

Ans: 3.

संयुक्त पूंजी वाली कम्पनी व्यावसायिक संगठन का वह प्रारूप है जिसका निर्माण लाभ के लिए कुछ व्यक्तियों द्वारा ऐच्छिक संस्था के रूप में विधान द्वारा किया जाता है इसकी पूंजी हस्तान्तरणीय अंशों में विभक्त होती है अर्थात इसके अंश साधारणतया खरीदे और बेचे जा सकते हैं इसके सदस्यों का दायित्व सीमित होता है कम्पनी का अस्तित्व स्थाई होता है और इसका कारोबार एक सार्वमुद्रा के अधीन संचालित होता है कोई भी व्यक्ति कम्पनी पर और कम्पनी किसी भी व्यक्ति के ऊपर मुकदमा चला सकती है.

संयुक्त पूंजी वाली कम्पनी लाभोपार्जन हेतु व्यक्तियों का एक ऐच्छिक संघ है जिसकी पूंजी हस्तान्तरण योग्य अंशों में विभाजित होती है अंशों का स्वामित्व ही एक सदस्यता की शर्त होती है

(1) कंपनी एक कृत्रिम व्यक्ति है जो साधारण व्यक्तियों की तरह या शारीरिक कार्य तो नहीं करती है परन्तु इसको किसी पर मुकदमा दायर करने, समझौता करने, अपने स्वामित्व में संपत्ती रखने व प्राप्त करने को बेचने आदि के संबंध में कानूनी अधिकार प्राप्त होते है

(2) कंपनी के सदस्यों का दायित्व सीमित बहुधा ही होता है अर्थात प्रत्येक सदस्य का दायित्व केवल उसी सीमा तक होता है जितने उसने अंश क्रय किये है

(3) शाश्वत अस्तित्व: कम्पनी का जीवन व्यावसायिक संगठन के अन्य प्रारूपों की अपेक्षा अधिक स्थाई होता है कम्पनी के अस्तित्व पर इसके किसी अंशधारी या संचालक की मृत्यु, दिवालियेपन आदि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है

(4) विधान के अनुसार कंपनी का अस्तित्व उसके सदस्यों के अस्तित्व से बिल्कुल अलग होता है

(5) एक निजि कम्पनी में सदस्यों की न्यूनतम संख्या दो तथा अधिकतम संख्या पचास तक होती है। एक पब्लिक या सार्वजनिक कम्पनी में सदस्यों सदस्यों की न्यूनतम संख्या सात और अधिकतम संख्या उसके द्वारा निर्गत अंशों की संख्या तक होती है। अर्थात कोई अधिकतम सीमा नहीं है।

(6) कम्पनी में अंशधारी अपने अंशो का हस्तान्तरण किसी भी समय, किसी भी व्यक्ति के पक्ष में बिना रोक टोक कर सकते हैं।

(7) प्रत्येक कम्पनी एक सार्वमुद्रा होती है यह कम्पनी के अधिकार युक्त हस्ताक्षर की भाँति कार्य करती है।

(8) कंपनी का कार्यक्षेत्र कंपनी अधिनियम पार्षद सीमा नियम एवं अंतर्नियम द्वारा सीमित होता है कंपनी इनसे परे कोई भी कार्य नहीं करती।

(9) कंपनी का प्रबंध प्रजातांत्रिक तरीके से होता है

(10) कंपनी का समापन अधिनियम में वर्णित समापन की विधियों द्वारा किया जा सकता है

Joint stock कंपनी के आर्थिक साधन व्यावसायिक संगठन के अन्य प्रारूपों की अपेक्षा बहुत अधिक विस्तृत होते हैं तथा कंपनी के सदस्यों का दायित्व उसके द्वारा खरीदे गए अंशों के अंकित मूल्य तक सीमित होता है अर्थात उनकी व्यक्तिगत संपत्ति को कंपनी के ऋणों के भुगतान के लिए नहीं लिया जा सकता है

Ist unit test CD 308

IIIrd year C.D.D.M. for 15 marks

308

all quetions are compulssary

Q1. What are the pressing equipments ? 3 m.

Ans

Pressing equipment →

(1) Coal Iron
(2) plain electric Iron
(3) Automatic electric Iron
(4) sleeve board
(5) point presser
(6) Pounding block
(7) Seam roll
(8) ~~tailor~~ tailor's board
(9) Pressing mitt
(10) tailors cushion
(11) steaming velvet one a hot iron

Q2. Which are the points to be considered while Pressing ?

Ans (1) Remove the tacking threads whenever possible, otherwise they leave marks on the fabric.

(2) place the garment carefully on the table, so that the grain of the fab[ric is] not pulled out of line, Always pre[ss] garment on a straight grain.

(3) press on the wrong side of a garment to [avoid] shining or iron making on the right sid[e]

(4) use the iron with a lifting movement ne[ver] smooth it over the fabric as is as in ironi[ng] press very carefully on the bias line of fabric to avoid stretching it.

(5) Any fabric such as rayon which shines or is marks easily should be subjected to light pressure and through a dry cloth

(6) when pressing points, angles and the setting i[n] of gathers. use the points or toe of an i[ron] with heel slightly raised, so that it does n[ot] flatter or over press the area around

(7) use sleeve board for pressing sleeves and sma[ll] parts.

(8) Darts must not be pressed beyond the point to prevent creasing the fabric out - side the dart

CD 308

hat do you understand by pressing. why
ssing is important for the finishing the
rment and fabric?

Ans.

Pressing is very very important for the fabric and garment. Pressing helps to finish the garment and pressing improves the Quality of the garment and fabric as well.

Pressing is used in the garment industries and also used in the weaving industries for the finishing the garment.

Pressing helps to remove extra fibres and boblings which makes the fabric dull and ugly due to pressing fabric & garment looks new.

In the industry after pressing the garments and fabrics are ready to further p.thed is packing.

In this way the Pressing is important for the finishing the garment and fabric.

Q.4 Construct the basic sleeve block for men's with wrist opening 6 m

Ans -

measurements

chest - 100 cm

sleeve length - 66 cm

sleeve opening - 14 cm (Depend on style)

Scale - 1:4

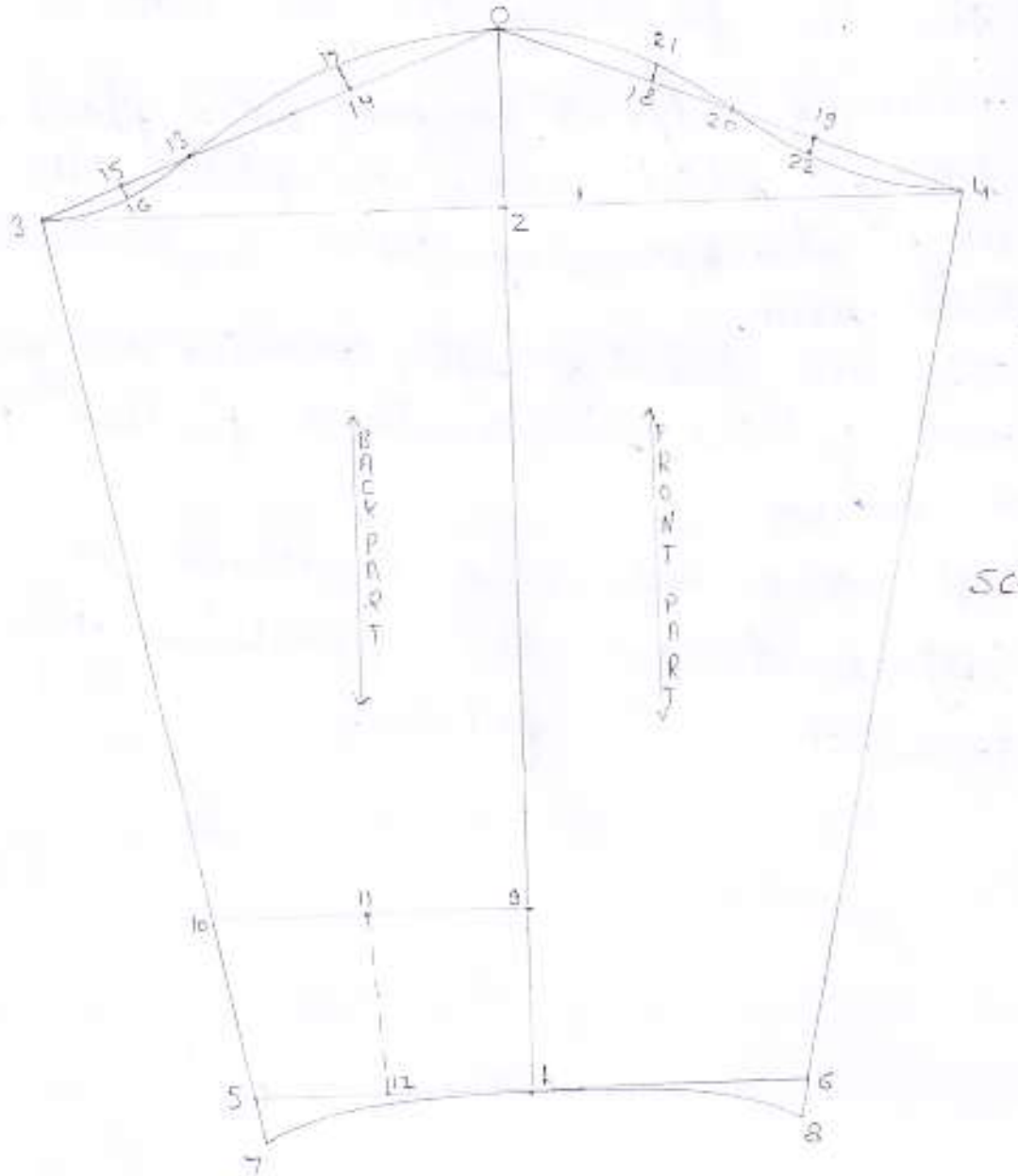

Scale - 1:4